SC 12
ST Nil
OBC 25

(c) No, Sir.

(d) Does nor arise.

Import of Butter Oil

2519. SHRI BHUPINDER SINGH MANN: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the quantity of butter oil imported during the last three years;

(b) the rate at which such oil was imported and the selling rate in the country; and

(c) what effect it has on the production of butter oil in the country?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM): (a) and (b) The quantity, cost and selling price of commercial imports of butter oil effected during the last three years, is given below:

Year	Quantity (MT)	Cost/MT	Selling price
1992-93	402	Rs. 69,447	Not available
1993-94	Nil	Nil	Nil
1994-95	497	US$ 1600 C&F	Average
	2000	US$ 1730 CIF	selling
	800	US$ 1770 CIF	price
	1008	US$ 1865 CIF	Rs. 84,433/ MT
Total			
1994-95	4305		

(c) The import of butter oil helped the country to increase the supply of liquid milk by resorting to recombination.

Allocation of Budget for R&D in Pharmaceutical Companies

2520. SHRI V. NARAYANASAMY: Will the Minister for CHEMICALS & FERTILIZERS be pleased to state: (a) whether it is a fact that the R&D expenses account for upto 15 per cent of the annual turnover of all large pharmaceutical companies abroad and in our country the profit before tax does not amount to more than 4-5 per cent of turnover because of price control on pharmaceuticals; and (b) what are the measures which Government propose to take to encourage the large scale allocation of budgets for R&D efforts in the country?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI EDUARDO FALEIRO): (a) and (b) R&D expenses incurred by the companies in the developed countries are much higher than those incurred by the companies in India. However, the reason for lower investment on R&D is not the price control since the prices are fixed after detailed Cost-cum-Technical study of the process and plants of the manufacturers and is based on the data provided by them. It provides for reasonable return on investment. The overall profitability of a company is dependent on a variety of factors viz. product mix, marketing strategy and Competency, cost efficiency of other manufacturers and also as compared to imports. Budget allocation for R&D can have only catalytic role and it is for the industry to rise up to the occasion and meet the challenge.

Kharland Development in Gujarat

2521. SHRI RAJUBHAI A. PARMAR: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the total area of land in Gujarat which is Kharland and remains uncultivated;

(b) whether Government have prepared any programme of development of Kharland and the total land brought under cultivation in the State so far;

(c) if so, whether Government have given any special grant for the development of Kharland in the State; and

(d) if so, the total amount given to the State for the Development of the Kharland area?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM): (a) In Gujarat State total Kharland Area is estimated as 11.30 lakh hectares.

(b) The State Government has been developing Kharland through the Gujarat Kharland Development Board. So far, about 9129 hectares of Kharland has been brought under cultivation.

(c) No, Sir.

(d) Does not arise

''सेल'' द्वारा सी.टी.डी. छड़ों की विक्रय की दर

2522. श्री शिव प्रसाद चनपुरिया: क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मार्च, 1994 तक स्टील अथारिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा सी.टी.डी. छड़ों की बिक्री की ग्रासिक दर क्या रही है, और

(ख) क्या ''सैल'' के उत्पादों को उपभोक्ताओं को खुले बाजार में उपलब्ध कराया जा रहा है?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सन्तोष मोहन देव): (क) और (ख) अप्रैल, 1993 से मार्च, 1994 के दौरान स्टील अथारिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड (सेल) ने लगभग 3,84,200 टन टार इस्पात (सी.टी.डी./टी.एम.टी. छड़) की घरेलू बिक्री की। इस अवधि के लिए औसत मासिक दर लगभग 32,000 टन मासिक बनती है। टार स्टील (सी.टी.डी./टी.एम.टी. छड़) की सप्लाई सेल द्वारा अपने वितरण केन्द्रों के जरिए और/अथवा प्रयोक्ताओं की अपनी आवश्यकता अनुसार सीधे प्रेषण के आधार पर की जाती है।

नई कृषि नीति का कार्यान्वयन

2523. श्री शंकर दयाल सिंह: क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) संसद द्वारा अनुमोदित नई कृषि नीति को कब तक कार्यान्वित किए जाने की संभावना है; और

(ख) क्या इस संबंध में राज्य सरकारों से एक बार फिर चर्चा की जाएगी?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम): (क) नई कृषि नीति के कार्यान्वयन की कोई सुनिश्चित अवधि बता पाना संभव नहीं है। तथापि कृषि नीति पर कार्रवाई संबंधी कतिपय मुद्दों का पहले ही कार्यान्वयन किया जा रहा है।

(ख) राज्य सरकारों से पुन: विचार विमर्श करने का कोई प्रस्ताव इस समय विचाराधीन नहीं है क्योंकि 5 मार्च, 1993 को आयोजित मुख्यमंत्रियों के सम्मेलन के दौरान राज्य सरकारों के विचार प्राप्त कर लिए गए थे।

गुजरात में शहरी बुनियादी सेवाएं

2524. श्री गोपाल सिंह जी सोलंकी: क्या शहरी कार्य और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 1992-93, 1993-94 और 1994-95 के वर्षों के दौरान गुजरात के कौन-कौन से शहरों को गरीबों हेतु ''शहरी बुनियादी सेवा'' के तहत लाया गया;

(ख) इनका ब्यौरा क्या है;

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान इन उद्देश्य के लिए आवंटित धनराशि का वर्षवार ब्यौरा क्या है; और

(घ) 1995-96 के वर्ष के लिए इस उद्देश्य के लिए सरकार ने कितनी धनराशि जारी करने का निर्णय किया है?

शहरी कार्य और रोजगार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी.के. थुंगन): (क) तथा (ख) गरीबों के लिए शहरी बुनियादी सेवाओं की स्कीम वर्ष 1992-93 से गुजरात राज्य में 28 कस्बों में कार्यान्वित की जा रही है। विवरण के रूप में कस्बों की सूची संलग्न है। (नीचे देखिए)

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान रिलीज की गई धनराशि का केन्द्रीय अंश इस प्रकार है:-

1992-93	1993-94	1994-95
	(लाख रुपयों में)	
44.60	69.60	63.45

(घ) वर्ष 1995-96 के लिए केन्द्रीय अंश के रूप में 64.25 लाख रुपये का अंतरिम नियतन किया गया है।

विवरण

गुजरात राजय में यू.बी.एस.पी. स्कीम के तहत शामिल कस्बों की सूची

1. अहमदाबाद	15. राजपिपला
2. सूरत	16. जम्बूसर
3. भावनगर	17. डीसा
4. जामनगर	18. सुरेन्द्र नगर
5. मेहसाणा	19. द्रांगधरा
6. नाडियाड	20. वाधवान
7. अंजार	21. लिम्बडी
8. पालमपुर	22. वीरावल्लपटन
9. जुनागढ़	23. पोरबन्दर
10. विसनगर	24. बारदोली
11. नंगरोल	25. कलोल
12. आनन्द	26. व्यारा
13. भरूच	27. उना
14. अंकलेश्वर	28. केशोद